भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1249

सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

एमआईसीई पर्यटन को बढ़ावा देना

†1249. **श्री जशुभाई भिलुभाई राठवा:**
श्री विजय कुमार दूबे:
श्री अनुराग सिंह ठाकुर:
श्री बसवराज बोम्मई:
श्री राजकुमार चाहर:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत और वैश्विक स्तर पर बैठक प्रोत्साहन सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) उद्योग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार भारतीय शहरों को दुनिया के शीर्ष एमआईसीई गंतव्यों में शामिल करने की योजना बना रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान भारत में एमआईसीई बाजार द्वारा उत्पन्न कुल राजस्व का ब्यौरा क्या है और वर्ष 2030 तक इसमें कितनी वृद्धि होने की उम्मीद है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): एमआईसीई पर्यटन सहित पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास एवं संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की ज़िम्मेदारी है। हालाँकि, अपने वर्तमान में जारी कार्यकलापों के तहत, पर्यटन मंत्रालय नियमित रूप से सोशल मीडिया और वेबसाइटों सहित विभिन्न माध्यमों से एमआईसीई पर्यटन सहित भारत का एक समग्र पर्यटन स्थल के रूप में संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने एमआईसीई को पर्यटन के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में चिह्नित किया है। मंत्रालय ने देश में एमआईसीई उद्योग के विकास को बढ़ावा देने के लिए एमआईसीई उद्योग के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति और रोडमैप भी तैयार किया है। एमआईसीई कार्यनीति के दस्तावेज़ में निम्नलिखित प्रमुख स्तंभों की पहचान की गई है:

i. एमआईसीई के लिए संस्थागत सहायता
ii. एमआईसीई के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का विकास
iii. भारतीय एमआईसीई उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि
iv. एमआईसीई आयोजनों के लिए व्यवसाय की सुगमता में वृद्धि
v. एमआईसीई गंतव्य के रूप में भारत का विपणन करना
vi. एमआईसीई उद्योग के लिए कौशल विकास

*****